फैटी लिवर और लिवर की सूजन (NASH) का निदान करने के लिए नैदानिक संकेत और प्रयोगशाला परीक्षण

• **नैदानिक लक्षण।** दुर्भाग्य से, जैसा कि ऊपर उल्लिखित है, वसायुक्त यकृत और प्रारंभिक यकृत सूजन महत्वपूर्ण लक्षण पैदा नहीं करते हैं। कुछ व्यक्तियों को ऊपरी ऊपरी चतुर्थांश दर्द और जीवन शक्ति की कमी महसूस हो सकती है। हालांकि, पेट का मोटापा, चयापचय सिंड्रोम और टाइप 2 मधुमेह की उपस्थिति संकेत दे रही है कि फैटी लिवर मौजूद है।

• **लैब (प्रयोगशाला) परीक्षण।** यकृत के कार्यों के परीक्षण आमतौर पर तब तक सामान्य रहते हैं जब फैटी लिवर सूजन के प्रारंभिक चरण (NASH=एनएएसएच) में होता है। यकृत कार्य-संबंधी परीक्षण में निम्नलिखित शामिल हैं:

1. लिवर एंजाइमस् - ATL और SGPT (SGOT और SGPT भी कहा जाता है)
2. एल्बुमिन स्तर
3. बिलीरुबिन का स्तर
4. क्लाटिंग फैक्टर्स परीक्षण
5. उच्च यूरिक एसिड का स्तर (फैटी लिवर के साथ जुड़ा हुआ है और यह लिवर की सूजन के उच्च जोखिम का सुझाव देता है - NASH)

• **रेडियोलॉजिकल परीक्षण।** अल्ट्रासाउंड, सीटी स्कैन और एमआरआई। अल्ट्रासाउंड सभी रेडियोलॉजिकल परीक्षणों का सबसे सरल और सस्ता परीक्षण है। एक अल्ट्रासाउंड परीक्षा फैटी लिवर का तब निदान करेगी जब जिगर की कोशिकाओं में 30% से अधिक वसा होती है। यह परीक्षण यकृत (NASH) में सूजन प्रक्रिया का पता नहीं लगाएगा। जिगर की सूजन (NASH) और यकृत स्कारिंग (सिरोसिस) की पहचान के लिए विशिष्ट रेडियोलॉजिकल परीक्षण और यकृत बायोप्सी की आवश्यकता होती है।